

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत

सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी, बाबडी

मुकाम

बावडी

बनाम

कमकराज व अन्य

सन्

किस्म मुकदमा

131, 136 PR नं.

121/2020

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
3/3/20	<p>प्रार्थी/अपीलकर्ता ने एक कब्र/प्रार्थना पत्र/प्रार्थना विरुद्ध अपीलकर्ता/अपीलकर्ता के पत्र किया गया जो जजे मैजिस्ट्रेट के पास केवल अपीलकर्ता/अपीलकर्ता की तारीखी जरीय नमूने की जाकर पत्रावली दिनांक 12/3/20 को पेश हो।</p> <p>सहायक कलेक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी, बाबडी</p>	114
16/9/2020	<p>केविड-19 महामारी के कारण राज्य सरकार के निर्देशों की पालना में कोई कार्यवाही स्थगित रखी गई थी जिसे राज्य सरकार के मार्गदर्शन के बाद पुनः कार्यवाही आइन्दा दिनांक 17/11/2020 को पेश हो।</p> <p>सहायक कलेक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी, बाबडी</p>	
17/11/2020	<p>पत्रावली पेश हुई। पार्थी उपस्थित। तहसीलदार बावडी से मौका जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई जो शामिल मिसल हो। पत्रावली वास्ते बहस एवं आदेश दिनांक 03/12/2020 को पेश हो।</p>	
03/12/2020	<p>पत्रावली पेश हुई। पार्थी उपस्थित। तहसीलदार बावडी से प्राप्त मौका</p>	



सहायक कलेक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी, बाबडी

प्राथमिक द्वारा निवेदन किया गया कि
मौजा बावड़ी चक द्वितीय (जमा बन्दी
विक्रम संवत् 2073-2076 अनुसार
ख.सं. 568 व 568/1 रकबा

कृमशः 2.1358 हेक्टर व 2.1439
किस्म खारानी द्वितीय कृमशः कचरपुरा
व प्रेमराम के नाम राजस्व रेकॉर्ड में
भूमि दर्ज है। उक्त खसरा का मॉड्यर
बंटा हुआ हुआ है जिसमें प्राथमिकों
के मौके पर कार्रवाई स्थिति अनुसार
तरमीम नहीं करके राजस्व कर्मचारियों
की गलती से गलत तरमीम कर दी गई।

प्राथमिकों की बहस को ~~स्वीकार~~ सुना
गया। बहस पर मनसूब किया गया एवं
पत्रावली पर अध्ययन किया। प्राथमिकों
के प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए
तहसीलदार बावड़ी द्वारा प्रस्तुत
मौका रिपोर्ट के अनुसार ग्लान बावड़ी
चक द्वितीय के ख.सं. 568 व 568/1 के
मध्य माठ की तरमीम ~~की~~ तहसीलदार
बावड़ी द्वारा प्रस्तुत मौका रिपोर्ट के
खिन्तु सं (2) अनुसार कार्रवाई के कठोर-
नुसार, मौका स्थिति अनुसार की जाने
के आदेश तहसीलदार बावड़ी को दिये
जाते हैं। तहसीलदार बावड़ी द्वारा
प्रस्तुत मौका रिपोर्ट इस आदेश का
प्रति रक्षणी।

पत्रावली फंसल सुमार होकर बावड़ी
से कम होकर वापिस दस्तार हो। फंसला
सुले न्यायालय में सुनाया गया।